रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/99

REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 2012/चैत्र 27, 1934
No. 87] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 2012/CHAITRA 27, 1934

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 10 अप्रैल, 2012

सं. टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस.— भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय के द्वारा जारी किए गए निदेश के अनुपालन में और "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" के खंड 1.2 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, एतद्द्वारा संलग्न आदेशानुसार, 31 मार्च, 2005 के आदेश सं. टीएएमपी/23/2003-डब्ल्यूएस द्वारा अधिसूचित "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" की वैधता को विस्तारित करता है ।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

सं. टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस

आदेश

(अप्रैल, 2012 के 9वें दिन पारित)

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 111 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नीति निर्देशों के अनुपालन में इस प्राधिकरण द्वारा 31 मार्च, 2005 को राजपत्र सं. 39 के द्वारा भारत के राजपत्र में "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" अधिसूचित की गई थी । ये मार्गदर्शिका 31 मार्च, 2005 से प्रभावी हुए थे और मार्गदर्शिका के खंड 1.2 में यथाविनिर्दिष्ट, 5 वर्षों की अवधि तक अर्थात् 31 मार्च, 2010 तक प्रभावी रहेंगे, जब तक कि इस प्राधिकरण द्वारा पहले समीक्षा नहीं की जाती अथवा इन्हें विस्तारित नहीं किया जाता है ।

2. भारत सरकार के पोत मंत्रालय की सलाह के अनुसार "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" की वैधता को इस प्राधिकरण ने 31 मार्च, 2010 से एक वर्ष की अवधि के लिए विस्तारित किया गया था। उत्तरवर्ती, कथित मार्गदर्शिका की वैधता को 31 मार्च, 2011 से एक वर्ष की अवधि के लिए आगे विस्तारित किया गया था अथवा अगला आदेश पारित होने तक, जो भी पहले हो, आदेश सं. टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस दिनांक 18 अप्रैल, 2011 द्वारा विस्तारित किया गया था । यह आदेश राजपत्र सं. 83 के माध्यम से भारत के राजपत्र में दिनांक 27 अप्रैल, 2011 को प्रकाशित हो चुका है ।

3. भारत सरकार के पोत मंत्रालय ने अब अपने पत्र सं. पीआर-14019/20/2009-पीजी दिनांक 2 अप्रैल, 2012 के द्वारा इस प्राधिकरण को सलाह दी है कि "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" की वैधता को और तीन महिनों की अवधि के लिए अथवा अगला आदेश पारित होने तक, जो भी पहले हो, के लिए विस्तारित किया जाए ।

4. तद्नुसार, "महापत्तनों में प्रशुल्क विनियमन के लिए मार्गदर्शिका, 2004" की वैधता को 31 मार्च, 2012 से आगे तीन महीनों की अवधि तक अथवा आदेश पारित होने तक, जो भी पहले हो, के लिए विस्तारित किया जाता है ।

रानी जाधव, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/असाधारण/143/12]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 10th April, 2012

TAMP/21/2009-WS.—In compliance of the direction issued by the Government of India in Ministry of Shipping and in exercise of the powers conferred under clause 1.2 of the 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004', the Tariff Authority for Major Ports hereby further extends the validity of the 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004' notified vide Order No. TAMP/23/2003-WS on 31st March, 2005, as in the Order appended hereto.

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

No. TAMP/21/2009-WS

ORDER

(Passed on this 9th day of April 2012)

The 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004' were notified in the Gazette of India on 31st March, 2005 vide Gazette No. 39 by this Authority in compliance of policy directions issued by the Government of India under Section 111 of the Major Port Trusts' Act, 1963. These guidelines came into effect from 31st March, 2005 and as stipulated in clause 1.2 of the guidelines, will remain in force for a period of 5 years, i.e. upto 31st March, 2010, unless reviewed earlier or extended by this Authority.

2. As advised by the Government of India in Ministry of Shipping this Authority extended the validity of the 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004' for a period of one year from 31st March, 2010. Subsequently, the validity of the said Guidelines was further extended for a period of one year from 31st March, 2011 or until further orders whichever is earlier vide Order No. TAMP/21/2009-WS dated 18th April, 2011. This Order was published in the Gazette of India on 27th April, 2011 vide Gazette 83.

3. The Government of India in Ministry of Shipping has now, vide its letter No. PR-14019/20/2009-PG dated 2nd April, 2012, advised this Authority to further extend the validity of the 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004' for a period of three months or until further orders, whichever is earlier.

4. Accordingly, the validity of the 'Guidelines for Regulation of Tariff at Major Ports, 2004' is further extended for a period of three months from 31st March, 2012 or until further orders whichever is earlier.

RANI JADHAV, Chairperson

[ADVT. III/4/Exty./143/12]

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 2012